पाठ 12. पागल हाथी

पाठ का उद्देश्य

इस कहानी का उद्देश्य बच्चों को पशुओं से प्रेम करना तथा उनके व्यवहार को समझना-समझाना है। इस पाठ द्वारा बच्चे जान पाएँगे कि पशुओं का किसी भी प्रकार का व्यवहार अकारण नहीं होता अपितु उनके स्वभाव में भी हम मनुष्यों की ही भाँति प्रेम, घमंड, क्रोध आदि भाव समाहित होते हैं, जिनका प्रभाव उनके व्यवहार और प्रतिक्रिया पर पड़ता है। पशु हमारे सभी भावों से परिचित होते हैं। जिस प्रकार का व्यवहार हम उनके साथ करते हैं, वही व्यवहार वे हमें प्रतिक्रिया स्वरूप लौटाते हैं।

पाठ का सारांश

मोती नाम का हाथी राजा साहब की खास सवारी था। अन्य हाथियों की तुलना में उसका अधिक ध्यान रखा जाता था, जिस कारण वह बहुत घमंडी और क्रोधी हो गया था। इसी क्रोध में उसने अपने महावत को मार डाला। राजा ने उसे अपनी खास सवारी से निकाल दिया। उसे ज़ंजीरों से बाँध दिया गया। एक दिन वह ज़ंजीर तोड़कर भाग निकला। वह जंगल में पहुँचा पर उसके पैरों में ज़ंजीरें देखकर वहाँ भी किसी ने उसे नहीं अपनाया। एक दिन उसने राजा साहब को जंगल में आते देखा। वह उनपर आक्रमण करने पहुँचा। राजा साहब वहाँ से अपनी जान बचाकर भागे। उन्होंने घोषणा करवा दी कि जो भी उस पागल हाथी को पकड़कर लाएगा उसे एक हज़ार रुपए का इनाम दिया जाएगा। मुरली नाम का एक छोटा बालक मोती को ढूँढ़ने जंगल पहुँचा। मुरली उसी महावत का बेटा था जिसे मोती ने मार डाला था। मुरली द्वारा प्रेम एवं स्नेह पाकर मोती को अपनी भूल का पछतावा हुआ। वह अपना क्रोध तथा घमंड छोड़कर मुरली को अपने मस्तक पर बिठाकर महल वापस लौट आया। राजा साहब ने उसे फिर से अपनी खास सवारी में शामिल कर लिया तथा मुरली की बहादुरी के लिए उसे इनाम दिया।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से **पहले पहल** में पूछे गए प्रश्नों पर बातचीत करें। हाथी के बारे में चर्चा करें। उन्हें हाथी से संबंधित जानकारी दें। बच्चों को बताएँ कि आज हम जो कहानी पढ़ेंगे, उसमें एक हाथी के स्वभाव के बारे में ही बताया गया है। पाठ का स्वयं वाचन करें तथा फिर बच्चों से भी करवाएँ।

बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- ❖ उन्हें कौन-कौन से जानवर पसंद हैं?
- ❖ क्या उनके घर में कोई पालतू जानवर है? यदि हाँ, तो उसके स्वभाव और उसके खान-पान की आदतों आदि के बारे में बात करें।
- ❖ बच्चों को बताएँ कि पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए।
- ❖ पाठ में आए कठिन शब्दों को उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखें। बच्चों से भी उच्चारण करवाएँ।
- ❖ बच्चों से पूछें, यदि आपका पालतू पशु आपको नुकसान पहुँचाए तो आप क्या करोगे – उसे घर से निकाल दोगे अथवा स्नेह द्वारा उसका क्रोध कम करने का प्रयास करोगे?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।